कुछ रंग त्यौहारों के

-अद्विका बगड़िया
६ ऐ

हाय रे कोरोना,
क्या तूने कर डाला?
सारे त्योहारों का,
रूप ही बदल डाला |

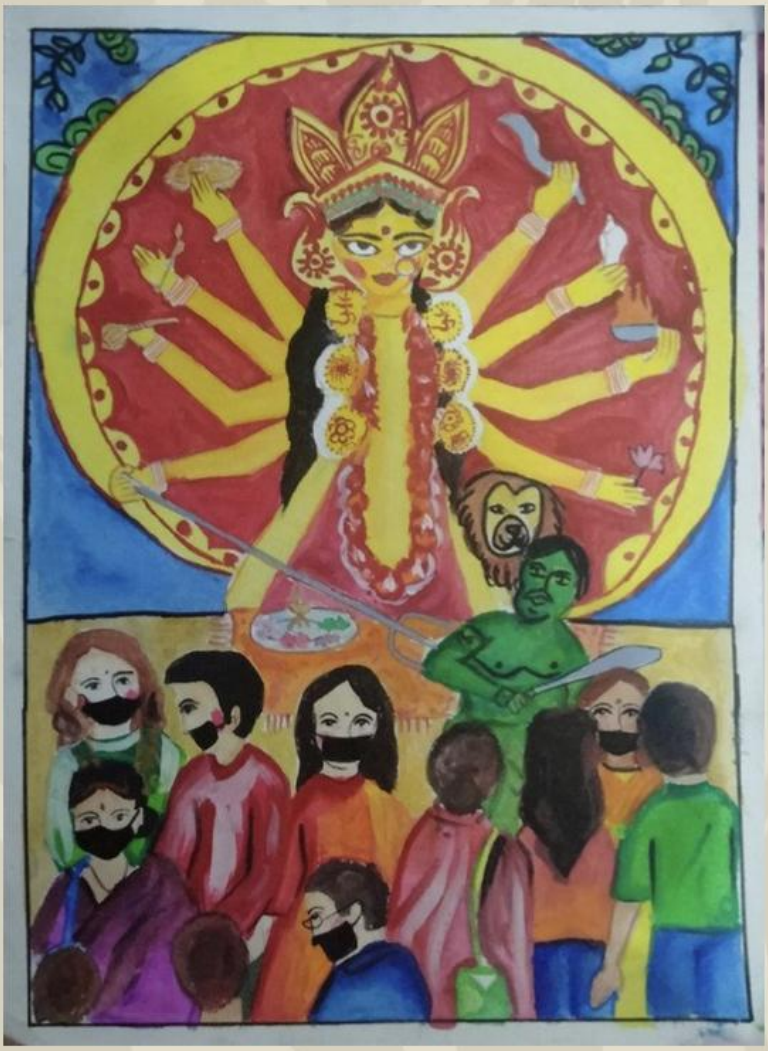

रंगों का त्यौहार आया,
सज गए बाज़ार रंग-बिरंगे
पर समझाया हमें बड़ों ने,
“कोरोना को हराना है,
घर में ही रंग लगाना है |”

चाँद ईद का निकल कर आया,
गले लगने का समय लाया
हमने कोरोना प्रोटकॉल को अपनाया,
ईद मुबारक का मेसिज
इंटर्नेट पर सबको भिजवाया |

दुर्गा पूजा का पावन त्यौहार,
लाया हमें एक साथ
पंडाल सजे हुए धूम-धाम,
ख़रीदारी की ऑनलाइन
और देखे गूगल पर पंडाल |

आओ मिलकर दीप लगाए,
गलत बातों को मन से मिटाएँ
अब रोशनी जलती है,
दिवाली में ख़ुशी खूब ही जमती है |